समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ रचा इतिहास, अर्धशतक के बाद 'A' सेलिब्रेशन का बताया खास राज

Sanket Morankar Published on 24 Jul 2026

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे **वैभव सूर्यवंशी** ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कई विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। महज **15 वर्ष 118 दिन** की उम्र में वैभव ने केवल **18 गेंदों** में अर्धशतक पूरा कर पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में टी-20 अर्धशतक लगाने का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

अपनी विस्फोटक पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए और भारतीय टीम को लक्ष्य की ओर तेज शुरुआत दिलाई। उनकी 19 गेंदों में 50 रन की पारी में **4 चौके और 4 शानदार छक्के** शामिल रहे। इस धमाकेदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 126 रन के लक्ष्य को मात्र **13.2 ओवर** में हासिल कर लिया।

हालांकि, वैभव की बल्लेबाजी जितनी चर्चा में रही, उतना ही उनके अर्धशतक के बाद किया गया '**A**' **सेलिब्रेशन** भी लोगों का ध्यान आकर्षित करता रहा। आईपीएल 2026 के दौरान लोकप्रिय हुआ यह सेलिब्रेशन एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को मिला। अर्धशतक पूरा करने के बाद वैभव ने अपनी उंगलियों से अंग्रेजी अक्षर '**A**' का संकेत बनाया।

मैच के बाद इस खास सेलिब्रेशन के पीछे की वजह बताते हुए वैभव ने कहा कि यह उनकी **मां आरती** के सम्मान में किया गया इशारा है। उन्होंने बताया, "**यह सेलिब्रेशन मेरी मां के लिए है। उनके नाम का पहला अक्षर 'A' है।**" इस भावनात्मक जवाब ने क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया और सोशल मीडिया पर उनके इस अंदाज की खूब सराहना हुई।

वैभव सूर्यवंशी ने इस उपलब्धि के साथ नेपाल के बल्लेबाज **कुशल मल्ला** का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। इससे पहले सबसे कम उम्र में पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड कुशल मल्ला के नाम था, जिन्होंने **15 वर्ष 340 दिन** की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब यह रिकॉर्ड वैभव सूर्यवंशी के नाम दर्ज हो गया है।

मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज **मयंक यादव** ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी

करते हुए प्रभावशाली गेंदबाजी की। भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को निर्धारित 20 ओवर में **7 विकेट पर 125 रन** तक सीमित रखा, जिससे बल्लेबाजों के सामने अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य रहा।

भारतीय टीम के नए कप्तान **श्रेयस अय्यर** के लिए भी यह मुकाबला विशेष रहा। कप्तान बनने के बाद यह उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय जीत रही। इससे पहले आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा था। हरारे में मिली इस जीत ने टीम को नई शुरुआत दी और युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को भी मजबूत किया।

क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और आक्रामक बल्लेबाजी से यह साबित कर दिया है कि भारतीय क्रिकेट को भविष्य के लिए एक और बड़ा सितारा मिल सकता है। इतनी कम उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव में शानदार प्रदर्शन करना उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह पारी न केवल वैभव सूर्यवंशी के करियर का अब तक का सबसे यादगार प्रदर्शन बनी, बल्कि भारतीय क्रिकेट इतिहास में भी एक नई उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गई। उनकी बल्लेबाजी, विश्व रिकॉर्ड और मां के प्रति समर्पित भावनात्मक 'A' सेलिब्रेशन ने इस मैच को क्रिकेट प्रशंसकों के लिए और भी यादगार बना दिया।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.